डाक पंजीयन संख्या- म.प्र./भोपाल/4-231/2023-25,
प्रकाशन प्रति सप्ताह बुधवार, पोस्टिंग प्रति सप्ताह गुरुवार
पता-म.न. 31, सेक्टर-1, शक्तिनगर, भोपाल, पिन-462024
फोन नं.-0755-4289655

MPHIN/2009/27464

साप्ताहिक मंथन दृष्टि

अमृत वचन
यानी अधिक दुनिया घूमा हुआ अधिक झूठ बोलता है।
-फारसी कहावत

प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का समावेश

सेल्फी लेते थे, घर नहीं देते थे... कल्कि केकलां का खुलासा, अनुराग कश्यप से तलाक... पेज- 7

वर्ष : 16 अंक : 46 भोपाल: बुधवार, 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2024 पृष्ठ 8, मूल्य 5 रुपए

हिंदू संगठन का विरोध-प्रदर्शन बोंगियो हिंदू जागरण मंच बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित हमलों और वहां चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहा है

कोलकाता स्थित बांग्लादेश उप-उच्चायोग के बाहर हिंदू संगठन का विरोध-प्रदर्शन देख डर गया बांग्लादेश, भारत सरकार से की ये खास अपील

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और नई दिल्ली से अपने सभी राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया

● मंथन संवाददाता

कोलकाता। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में बोंगियो हिंदू जागरण मंच 28 नवम्बर को कोलकाता स्थित बांग्लादेश उप-उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान भीड़ अंदर घुस गई थी। बांग्लादेश ने भारत के कोलकाता में अपने उप-उच्चायोग के बाहर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा की है। इस प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर भीड़ ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पुतले के साथ ही बांग्लादेशी राष्ट्रीय ध्वज में भी आग लगाते हुए अपना विरोध जताया था। यह घटना 28 नवम्बर को बोंगियो हिंदू जागरण मंच की ओर से आयोजित एक रैली के दौरान हुई। बोंगियो हिंदू जागरण मंच एक हिंदू संगठन है जो बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित हमलों और वहां चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहा है।

29 नवंबर को जारी एक बयान में, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की और नई दिल्ली से भारत में अपने सभी राजनयिक मिशनों और कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बता दें कि प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिस बैरिकेड्स को तोड़ दिया था और आयोग की सीमा तक पहुंच गए थे।

'उप-उच्चायोग के सदस्यों में असुरक्षा की भावना व्याप्त'

बांग्लादेश ने भारत सरकार से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और अपने राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'हालांकि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन उप-उच्चायोग के सदस्यों में असुरक्षा की भावना व्याप्त है।'

चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद से शुरू हुआ हिंदुओं का विरोध

बता दें कि यह विरोध बांग्लादेश में अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी (इस्कॉन) के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास की राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के बाद शुरू हुआ था। गिरफ्तारी के बाद वहां की अदालत ने दास को इस सप्ताह के शुरुआत में जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद ढाका और चटगांव सहित बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंदू समुदाय के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।

'बांग्लादेशियों का नहीं करेंगे इलाज...'

कोलकाता के उत्तरी हिस्से माणिकतला स्थित जेएन रे अस्पताल ने एक फैसला लेते हुए बांग्लादेशी मरीजों को इलाज देने से इंकार कर दिया है। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों के खिलाफ विरोध जताने के लिए उठाया गया है। 29 नवम्बर को अस्पताल के अधिकारी, सुभ्रांशु भक्त ने बताया कि यह निर्णय तब लिया गया जब भारतीय ध्वज का बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा अपमान किया गया।

बांग्लादेश में जुमे की नमाज के बाद उग्र भीड़, ने 3 हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ की

बांग्लादेश के चटगांव में 29 नवम्बर को जुमे की नमाज के बाद नारे लगाती उपद्रवियों की भीड़ ने तीन हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की। शांतिनेश्वरी मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य तपन दास ने बताया कि जुमे की नमाज के बाद सैकड़ों लोगों का जुलूस आया। उन्होंने हिंदू विरोधी और इस्कॉन विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिए। हमने हमलावरों को रोका नहीं। जब स्थिति बिगड़ गई, तो हमने सेना को बुलाया, जो तुरंत पहुंची और व्यवस्था बहाल करने में मदद की। दोपहर से पहले ही सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए। चटगांव में इस्कॉन के पूर्व सदस्य और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी पर देशद्रोह के आरोप के तहत मामला दर्ज होने और उनकी गिरफ्तारी के बाद से विरोध प्रदर्शन और हिंसा देखी गई है। स्थानीय न्यूज पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, चटगांव के हरीश चंद्र मुंसेफ लेन में स्थित हिंदू मंदिरों पर हमला 29 नवम्बर दोपहर करीब 2:30 बजे हुआ। उपद्रवियों की भीड़ ने शांतनेश्वरी मातृ मंदिर, शोनी मंदिर और शांतनेश्वरी कालीबाड़ी मंदिर को निशाना बनाया। -शेष पृष्ठ 2 पर

विदेश मंत्री ने हिंदुओं पर हमले को लेकर जताई चिंता

भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार पर अपनी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने 29 नवम्बर को संसद को संबोधित करते हुए बांग्लादेशी सरकार से अल्पसंख्यक समुदायों और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाए जाने के बाद से तनाव बढ़ गया है, यहां तक कि यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में भी हिंसा की खबरें जारी हैं।

राघव चड्ढा ने की निंदा प्रस्ताव की मांग

29 नवम्बर को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में एक प्रस्ताव पेश करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास करने की मांग की। राघव चड्ढा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, हमलों पर चर्चा कराई जाए। हाल ही में इस्कॉन के संत चिन्मय दास की अवैध गिरफ्तारी जो की गई है, इसपर चर्चा की मांग की थी। उन्होंने कहा, 'इसपर मैंने ये मांग रखने का प्रयास किया सरकार बांग्लादेश हुकूमत से क्या बात कर रही है, जब से बांग्लादेश में तख्ता पलट हुआ है, उसके बाद से हिंदुओं को सुरक्षित रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, इसपर सरकार सदन में जवाब दे।

मंथन दृष्टि

पृष्ठ 2 — लखपति भिखारी — भोपाल में भिखारियों की न्यूनतम वार्षिक आय 5 लाख, रिश्वत भी...
पृष्ठ 3 — धर्म और आध्यात्म — सभी साधनाओं के साध्य हैं सूर्यदेव
पृष्ठ 4 — किसानों की सक्सेस स्टोरी मंथन — महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए ग्राम...
पृष्ठ 5 — कृषि मंथन — बिना खटपट किये एक ही झटके में हजारो में बिकने वाली...
पृष्ठ 6 — देश-विदेश — ट्रम्प के एक बयान से चीन-कनाडा की करेंसी में गिरावट...
पृष्ठ 7 — अनोखी खबरें — 10 साल तक मछुआरे की पलंग के नीचे...
पृष्ठ 8 — ख़ास साप्ताहिक फोटो — उत्तराखंड की संरक्षक व पालक देवी, धारी...

योगी ने वो कमाल किया जो 31 साल में न हुआ, 2027 का टारगेट भी सेट, बीजेपी ने दर्द देकर अखिलेश यादव की ली चुटकी

यूपी उपचुनाव में बीजेपी ने जबरदस्त जीत हासिल कर एसपी सुप्रीमो अखिलेश यादव को बड़ा जख्म दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी ने वो कर दिखाया, जो बीते 31 साल में बीजेपी ने नहीं किया। बीजेपी ने 9 में से 7 सीट जीतकर साल 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए भी अपना टारगेट सेट कर दिया है। इस जीत से बीजेपी नेताओं का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है। बीजेपी नेता तो इस जीत के बाद अब शेरो-शायरियां भी करने लगे हैं। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शायराना अंदाज में अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा, 'सीने में जलन आंखों में तूफान... उपचुनाव के नतीजों के बाद समाजवादी पार्टी की जमीन खिसक गई है। जब भी सपा सत्ता में आई है, राज्य में गुंडों और माफियाओं का आतंक रहा है। उनका काम दूसरों की जमीन और मकानों पर कब्जा करना है।

इसलिए राज्य की जनता ने उन्हें नकार दिया है।' ब्रजेश पाठक ही नहीं बीजेपी के तमाम नेता इस जीत से काफी उत्साहित हैं। राज्य के एक और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। इस उपचुनाव में जनता ने समाजवादी पार्टी को बिल्कुल नकार दिया है। समाजवादी पार्टी की जमीन खिसकने से खलबली मची हुई है। राज्य की जनता ने उपचुनाव में बीजेपी को 9 में से सात सीटें और महाराष्ट्र में प्रचंड बहुमत देकर बड़ा मैसेज दि दिया है। लोगों को सपा सरकार की गुंडई याद है। इसलिए 2027 में तीसरी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी और सपा साफ हो जाएगी।'

पुतिन ने युद्ध में उतारे खतरनाक 'कुछआ टैंक' क्या अमेरिका यूक्रेन को देगा परमाणु बम

व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध में अपने सबसे विचित्र 'कछुआ टैंक' तैनात किए हैं। यह टैंक बेहद खतरनाक माने जाते हैं। इस टैंक में किसी कुछए की तरह ही खोल होता है। कछुआ टैंक स्टील की प्लेट और चेन फ्रिंज के ढंके रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन के डोनेट्स्क ओब्लास्ट में इन कछुआ टैंकों को देखा गया है।

पुतिन ने क्यों तैनात किए कछुआ टैंक: द सन की रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि पुतिन ने तीन साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध में अपने लगभग सभी आधुनिक सैन्य उपकरण खो दिए हैं। इसलिए रूस को सोवियत युग के इन पुराने कछुआ टैंकों को युद्ध के मैदान में उतारना पड़ा है।

कछुआ टैंक को टी-80 टैंक के नाम से भी जाना जाता है। टी-80 टैंक, जिन्हें मूल रूप से 1976 में सोवियत सैन्य सेवा में शामिल किया गया था। ये टैंक पुराने सैन्य उपकरणों पर रूस की अपमानजनक निर्भरता का प्रतीक बन गए हैं। कवच वाले टैंकों का मकसद कीव के ड्रोन और एंटी-टैंक मिसाइलों से बचाना भी है।

क्या यूक्रेन को वापस मिलेंगे परमाणु बम: कई अमेरिका में रिपोर्टों ने यह भी सुझाव दिया कि अमेरिका यूक्रेन को परमाणु हथियार वापस कर सकता है जो सोवियत संघ के पतन के बाद 1990 के दशक में उससे छीन लिए गए थे। कीव को रूस के साथ युद्ध विराम के समझौते की बातचीत में मदद कर सकता है या तनाव को खतरनाक रूप से बढ़ा सकता है।

बौखलाए पुतिन, यूक्रेन को दी हाइपरसोनिक मिसाइल दागने की धमकी

कीव। अमेरिकी और ब्रिटिश हथियारों से मॉस्को पर हमले के बाद से ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सब्र का बांध टूट चुका है। अब उनके निर्देश पर रूसी सेना कीव में तबाही मचा रही है। 27 नवम्बर को यूक्रेन पर 90 से ज्यादा मिसाइल और 100 ड्रोन दागे गए। इससे यूक्रेन दहल उठा। इतना ही नहीं, पुतिन ने अब यूक्रेन पर हाईपरसोनिक मिसाइल से हमले की धमकी जारी की है। यह धमकी मॉस्को द्वारा यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड पर हमला करने के कुछ घंटों बाद दी गई। इस हमले के कारण दस लाख लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। कीव ने कहा कि रूस ने इस हमले के दौरान 90 से अधिक मिसाइलें और लगभग 100 ड्रोन दागे, जिसे क्रेमलिन प्रमुख ने पश्चिमी मिसाइलों के साथ अपने क्षेत्र पर यूक्रेनी हमलों का जवाब कहा। लगभग तीन साल से चल रहे इस युद्ध में हाल के दिनों में तीव्र वृद्धि देखी गई है, तथा दोनों पक्ष जनवरी में अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने से पहले बढ़त हासिल करने के प्रयास में नए हथियारों की तैनाती कर रहे हैं।

✓ हमारा "मंथन दृष्टि" साप्ताहिक समाचार पत्र समूची दुनिया में रह रहे हिंदी भाषी भारतीयों के लिए अभी On-line पढ़ने के लिए निःशुल्क (फ्री) उपलब्ध है। इस E-paper को पढ़ने के लिए www.manthandrishti.com पर जाएं।